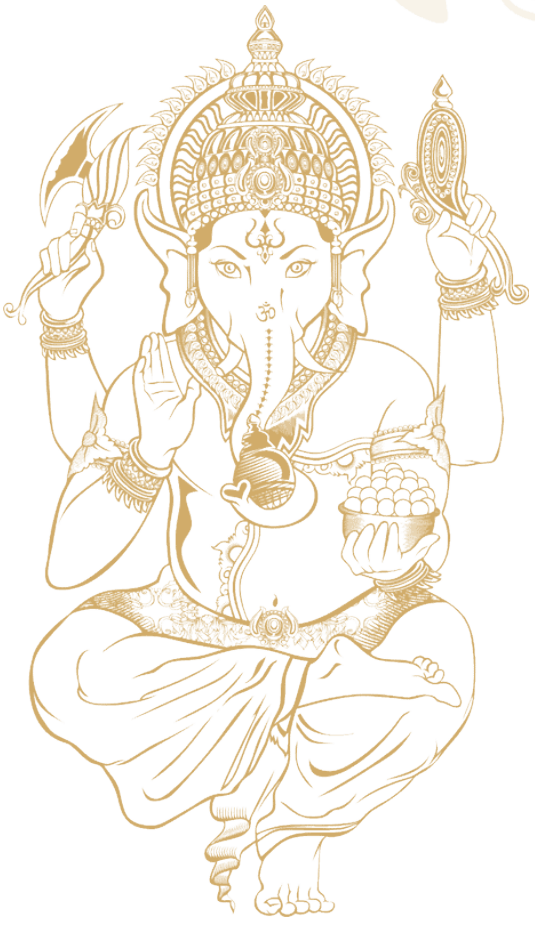

Akansh

Ritika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121626605

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
8-09/06/1995	जन्म तिथि	30/09/2000
गुरु-शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 04:44:00	जन्म समय	14:35:00 घंटे
घटी 58:32:18	जन्म समय(घटी)	20:57:32 घटी
India	देश	India
Muzaffarnagar	स्थान	Hapur
29:28:00 उत्तर	अक्षांश	28:43:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:18:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:04	सूर्योदय	06:11:29
19:17:46	सूर्यास्त	18:05:42
23:47:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:46

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 9मा 10दि	13:58:44	वृष	लग्न	मक	05:46:39	राहु 5वर्ष 6मा 17दि
गुरु	23:53:45	वृष	सूर्य	कन्या	13:38:37	शनि
20/03/2019	25:39:28	कन्या	चंद्र	तुला	15:53:29	18/04/2022
20/03/2035	12:59:53	सिंह	मंगल	सिंह	14:32:51	18/04/2041
गुरु 07/05/2021	18:18:52	वृष व	बुध	तुला	08:21:02	शनि 21/04/2025
शनि 19/11/2023	15:46:14	वृश्चि व	गुरु व	वृष	17:22:14	बुध 30/12/2027
बुध 24/02/2026	04:07:22	वृष	शुक्र	तुला	13:08:38	केतु 07/02/2029
केतु 31/01/2027	00:20:09	मीन	शनि व	वृष	06:49:47	शुक्र 08/04/2032
शुक्र 01/10/2029	11:02:05	तुला	राहु व	मिथु	27:24:19	सूर्य 21/03/2033
सूर्य 20/07/2030	11:02:05	मेष	केतु व	धनु	27:24:19	चन्द्र 21/10/2034
चन्द्र 19/11/2031	06:12:25	मक व	हर्ष व	मक	23:18:45	मंगल 29/11/2035
मंगल 25/10/2032	01:18:29	मक व	नेप व	मक	09:59:27	राहु 05/10/2038
राहु 20/03/2035	04:54:43	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:44:06	गुरु 18/04/2041

लग्न-चलित

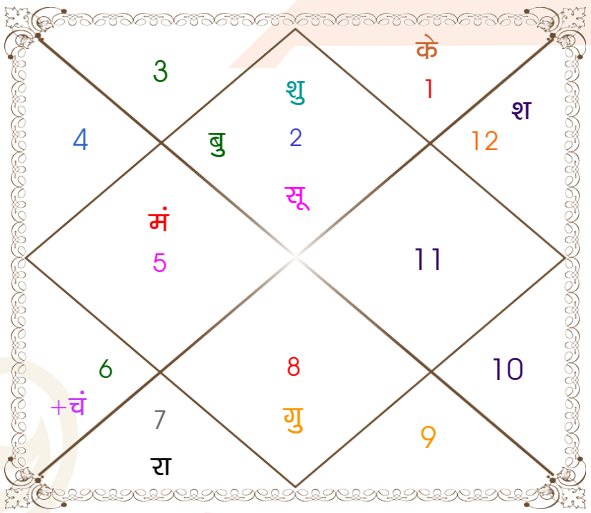

लग्न-चलित

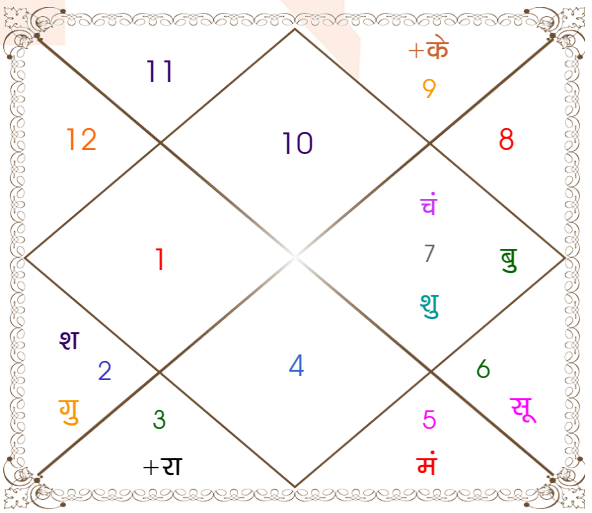

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Akansh का वर्ग मूषक है तथा Ritika का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Akansh और Ritika का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Akansh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ritika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ritika कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Akansh कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Akansh तथा Ritika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।